

ग

देवनागरी वर्णमाला में क वर्ग का तीसरा व्यंजन जो कंठ्य स्पर्शी, अल्पप्राण तथा सघोष है।

गंगका स्त्री. (तत्.) गंगा नदी।

गंगरेन स्त्री. (तद्.) नाग बला नामक पौधा, जो हवा के काम आता है।

गंगा स्त्री. (तत्.) 1. भारतवर्ष की एक प्रधान और पवित्र नदी जो हिमालय से निकलकर बंगाल की खाड़ी में गिरती है, भागीरथी मुहा. गंगा नहाना-कृतार्थ होना, छुट्टी पाना; गंगा उठाना- गंगा जल लेकर शपथ खाना पर्या. विष्णु नदी, जाहनवी, त्रिपथगा, अलकनंदा, मंदाकिनी, सुरनदी, अध्वगा पुं. (तत्.) 2. एक मात्रिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में नौ मात्राएँ होती हैं, इसके अंत में दो गुरु होते हैं 3. गंग नामक एक कवि का नाम जो अकबर के समय में थे।

गंगांबु पुं. (तत्.) 1. गंगा का जल 2. वर्षा का शुद्ध जल।

गंगाई स्त्री. (देश.) मैना की तरह की एक भूरे रंग की चिड़िया।

गंगा क्षेत्र स्त्री. (तत्.) गंगा की धारा तथा दोनों किनारों से दो-दो कोस तक का भूभाग किंवदंती के अनुसार इसके अंदर मरने वाले को मोक्ष की प्राप्ति होती है।

गंगागति स्त्री. (तत्.) मोक्ष, मुक्ति।

गंगा-जमुनी वि. (तत्.+तद्.) 1. मिला-जुला, संकर, दो रंगा 2. सोने-चांदी या पीतल-तांबे आदि दो धातुओं का बना हुआ 3. काला-उजला, स्याम-सफेद स्त्री. (देश.) कान का एक गहना 2. कवेटी ढाल 3. मिली-जुली संस्कृति, सामासिक संस्कृति।

गंगा-जल पुं. (तत्.) 1. गंगा का पानी 2. एक प्रकार का बढ़िया सूती रेशमी कपड़ा जिसकी पगड़ियाँ बनती थी।

गंगाजली स्त्री. (तत्.) धातु या शीशे की सुराही नुमा लुटिया जिसमें यात्री तीर्थों से पवित्र जल लाते हैं मुहा. गंगा जली उठाना- गंगा जल हाथ में लेकर शपथ खाना, गंगा की कसम।

गंगादत्त पुं. (तत्.) भीष्म पितामह पर्या. गंगा पुत्र, गंगासुत, गांगेय।

गंगाद्वार पुं. (तत्.) हरिद्वार।

गंगाधर पुं. (तत्.) 1. शिव, महादेव 2. समुद्र 3. वैद्यक में एक प्रकार का रस (गंगाधार रस) 4. एक प्रकार का वर्णवृत्त जिसके प्रत्येक चरण में आठ रगण होते हैं, इसे गंगोदक भी कहते हैं।

गंगापुत्र पुं. (तत्.) 1. भीष्म 2. कार्तिकेय 3. गंगा आदि के घाटों पर बैठने और पंडों का काम करने वाला ब्राह्मण।

गंगा पूजा स्त्री. (तत्.) 1. मरणासन्न व्यक्ति को गंगा के तट पर मरने के लिए ले जाने की पुरानी प्रथा 2. मृत्यु, स्वर्गवास 3. स्त्री. (तद्.) विवाह के बाद वर-वधू की गाजे-बाजे के साथ होने वाली देव पूजा 4. गंगा तथा देवताओं आदि की पूजा जो गंगा तट या किसी जलाशय के किनारे संपन्न होती है।

गंगाल पुं. (तद्.) पानी रखने का बड़ा बर्तन, कंडाल।

गंगाला पुं. (तद्.) कछार, वह भूमि जहाँ तक गंगा का चढ़ाव पहुँचता है।

गंगावतरण पुं. (तत्.) गंगा का स्वर्ग से पृथ्वी पर आना।

गंगा-सागर पुं. (तत्.) 1. एक तीर्थ स्थान जहाँ गंगा समुद्र में गिरती है 2. मोटे कपड़े की छपी जनानी धोती।

गंगा सुत पुं. (तत्.) 1. (गंगा का पुत्र) 1. कार्तिकेय 2. भीष्म 3. गंगा के घाटों व तटों पर तीर्थ-दान लेने वाला पंडा, ब्राह्मण।

गंगोटी स्त्री. (तद्.) एक प्रकार की वनौषधि।

गंगोत्री स्त्री. (तत्.) हिमालय क्षेत्र में वह स्थान जहाँ से गंगा का उद्गम माना जाता है।